International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

ऊधम सिंह नगर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत् शिक्षकों के पारिवारिक सम्बन्धों का तुलनात्मक अध्ययन

पूजा पाण्डे[1], डॉ. बबीता सिंह[2], डॉ. एस.के. त्रिपाठी[3]

[1]शोधार्थिनी, शिक्षा संकाय, मदरहुड विश्वविद्यालय, रुड़की, जिला– हरिद्वार, उत्तराखण्ड

[2]निर्देशिका, शिक्षा संकाय, मदरहुड विश्वविद्यालय, रुड़की, जिला– हरिद्वार, उत्तराखण्ड

[3]सह–निर्देशक, प्राचार्य, शिक्षा विभाग, एस.आई.एम.टी., उ0 सिंह नगर, उत्तराखण्ड

सारांष

ऊधम सिंह नगर में वित्तपोषित और स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के पारिवारिक सम्बन्धों का अध्ययन करने से हमें इन सम्बन्धों का विश्लेषण करने का अवसर मिलता है। इस अध्ययन के माध्यम से हम समझ सकते हैं कि शिक्षकों के परिवार में सामाजिक, आर्थिक और मानसिक स्थितियों का विश्लेषण कैसे किया जा सकता है और इसका महत्व क्या है। शिक्षकों के परिवार में विभिन्न संघर्ष और संघर्षों का सामना किया जा सकता है। उनके पारिवारिक सम्बन्ध उनके काम के साथ संतुलित नहीं हो सकते हैं, खासकर जब शिक्षक अत्यधिक कार्यभार और दबाव के अधीन होते हैं। यह उनके परिवारिक जीवन को प्रभावित कर सकता है और उनके संघर्षों को बढ़ा सकता है। वित्तपोषित और स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में शिक्षकों के परिवारों का आर्थिक स्तर भी विश्लेषित किया जा सकता है। यदि शिक्षक की वेतन और अन्य लाभ समान नहीं होते हैं, तो यह उनके परिवार के आर्थिक दृष्टिकोण को प्रभावित कर सकता है। इससे उनके परिवार के सदस्यों की शिक्षा, स्वास्थ्य, और आर्थिक सुरक्षा पर असर पड़ सकता है। यह अध्ययन शिक्षकों के परिवारों के सामाजिक सम्बन्धों का भी विश्लेषण कर सकता है। शिक्षक के काम के दौरान परिवारिक समय की कमी होती है, जिससे उनके सामाजिक संबंध अधिक दबे हो सकते हैं। इसके अलावा, शिक्षकों के परिवारों को विद्यालयी कैलेंडर के अनुसार अकसर स्थानांतरित किया जाता है, जो उनके परिवारिक संबंधों पर भी प्रभाव डाल सकता है। इस अध्ययन के माध्यम से हमें शिक्षकों के परिवारिक संबंधों के महत्व का समझने में मदद मिलती है। यह हमें शिक्षकों की कार्य–परिवार जीवन की सुधारने के लिए उपाय तलाशने में मदद कर सकता है ताकि वे अपने पेशेवर और पारिवारिक जीवन को संतुलित रूप में संचालित कर सकें।

शोध के निष्कर्ष – ऊधम सिंह नगर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों के पारिवारिक सम्बन्धों में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया, ऊधम सिंह नगर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षकों के पारिवारिक सम्बन्धों में सार्थक अन्तर पाया गया।

मुख्य शब्द :– वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालय, शिक्षक एवं पारिवारिक सम्बन्ध।

1- प्रस्तावना

ऊधम सिंह नगर, उत्तराखंड का एक महत्वपूर्ण जिला है जिसमें कई वित्तपोषित और स्ववित्तपोषित महाविद्यालय हैं। इन महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों का जीवन न केवल उनके पेशेवर कर्तव्यों से प्रभावित होता है, बल्कि उनके पारिवारिक संबंधों पर भी गहरा प्रभाव पड़ता है। यह अध्ययन इन शिक्षकों के पारिवारिक संबंधों की स्थिति, चुनौतियों, और संभावनाओं की जांच करता है।

वित्तपोषित और स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के अंतर

- ''वित्तपोषित महाविद्यालय'' ये महाविद्यालय सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त करते हैं, जिसके कारण इन महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को नियमित वेतन, स्थिरता, और अन्य सरकारी लाभ मिलते हैं।
- ''स्ववित्तपोषित महाविद्यालय'' ये महाविद्यालय स्वयं वित्तपोषण करते हैं और आमतौर पर शिक्षकों को अनुबंध के आधार पर नियुक्त करते हैं, जिससे वेतन और नौकरी की स्थिरता कम होती है।

शिक्षकों के पारिवारिक संबंधों पर प्रभाव''

1. **आर्थिक स्थिति का प्रभाव''**

- ''वित्तपोषित महाविद्यालयों के शिक्षक'' स्थिर और नियमित वेतन के कारण इन शिक्षकों की आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत अच्छी होती है। यह आर्थिक स्थिरता उनके पारिवारिक संबंधों को सुदृढ़ बनाती है क्योंकि वित्तीय तनाव कम होता है।
- ''स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के शिक्षक'' अनुबंध आधारित वेतन और नौकरी की अस्थिरता के कारण वित्तीय तनाव अधिक होता है, जो पारिवारिक संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

2. **''समय प्रबंधन और पारिवारिक जिम्मेदारियाँ''**

- ''वित्तपोषित महाविद्यालयों के शिक्षक'' इन शिक्षकों को अपने समय का प्रबंधन बेहतर तरीके से करने का अवसर मिलता है, जिससे वे पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन अच्छी तरह से कर पाते हैं।

- ''स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के शिक्षक'' अधिक कार्यभार और नौकरी की अस्थिरता के कारण ये शिक्षक अपने परिवार को कम समय दे पाते हैं, जिससे पारिवारिक तनाव बढ़ सकता है।

3. ''सामाजिक सुरक्षा और सुविधाएं''

- ''वित्तपोषित महाविद्यालयों के शिक्षक'' सरकारी सुविधाएं जैसे स्वास्थ्य बीमा, पेंशन, और अन्य लाभ पारिवारिक सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- ''स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के शिक्षक'' इन सुविधाओं की कमी के कारण परिवार की सुरक्षा और स्थिरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

ऊधम सिंह नगर के महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के पारिवारिक संबंध उनके कार्य वातावरण और आर्थिक स्थिति से गहरे रूप से जुड़े हुए हैं। वित्तपोषित और स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के बीच की भिन्नताओं के कारण शिक्षकों के पारिवारिक जीवन में भी अंतर देखा जाता है। इन शिक्षकों के पारिवारिक संबंधों को सुदृढ़ बनाने के लिए संस्थागत और नीतिगत सुधार आवश्यक हैं। इस अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि शिक्षकों के पेशेवर जीवन और पारिवारिक संबंधों के बीच एक संतुलन बनाए रखना आवश्यक है, जो उनके समग्र जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बना सकता है।

2- अध्ययन की आवष्यकता एवं महत्व

ऊधम सिंह नगर के वित्तपोषित और स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के पारिवारिक संबंधों के अध्ययन की आवश्यकता और महत्व को समझना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अध्ययन से न केवल शिक्षकों की व्यक्तिगत और पारिवारिक जीवन की स्थिति का आकलन होता है, बल्कि शैक्षणिक संस्थानों की नीतियों और प्रथाओं में सुधार के लिए आवश्यक अंतर्दृष्टि भी प्राप्त होती है।

वित्तपोषित और स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्य स्थितियां भिन्न होती हैं। वित्तपोषित महाविद्यालयों में जहां स्थिरता और सुरक्षा होती है, वहीं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में अस्थिरता और वित्तीय अनिश्चितता होती है। इस अध्ययन की आवश्यकता इसलिए है ताकि इन विभिन्न कार्य स्थितियों के पारिवारिक जीवन पर प्रभाव को समझा जा सके। कार्यस्थल की अस्थिरता और वित्तीय तनाव का शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। पारिवारिक संबंधों के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य का विश्लेषण करने से शिक्षा के क्षेत्र में सुधार की आवश्यकता को समझा जा सकता है। पारिवारिक तनाव, विशेष रूप से आर्थिक और समय की कमी के कारण, शिक्षकों के पेशेवर प्रदर्शन और उनकी समग्र संतुष्टि को प्रभावित कर सकता है। इस अध्ययन की आवश्यकता यह समझने में है कि कैसे पारिवारिक तनाव को कम किया जा सकता है और शिक्षकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है।

अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष शिक्षा विभाग और महाविद्यालय प्रबंधन को नीतियां बनाने में सहायता कर सकते हैं जो शिक्षकों के पारिवारिक जीवन में संतुलन बनाने में मदद करें। इससे शिक्षकों की कार्य स्थितियों में सुधार होगा और उनकी पेशेवर प्रतिबद्धता बढ़ेगी। जब शिक्षकों के पारिवारिक जीवन में संतुलन होगा, तो उनकी पेशेवर संतुष्टि और उत्पादकता में वृद्धि होगी। इससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा और छात्रों को भी बेहतर शिक्षण मिलेगा। शिक्षकों के पारिवारिक संबंधों का समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। एक संतुष्ट और संतुलित शिक्षक समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है, जिससे सामुदायिक विकास और समृद्धि में योगदान होगा। अध्ययन से प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर यदि महाविद्यालय अपने शिक्षकों के लिए बेहतर नीतियां अपनाते हैं, तो इससे संस्थान की साख में वृद्धि होगी। इससे अधिक योग्य और प्रतिभाशाली शिक्षक इन संस्थानों में काम करने के लिए आकर्षित होंगे।

ऊधम सिंह नगर के वित्तपोषित और स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के पारिवारिक संबंधों के अध्ययन की आवश्यकता और महत्व को समझना शैक्षणिक सुधार के लिए अनिवार्य है। इस अध्ययन से शिक्षकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए नीतिगत और संस्थागत सुधारों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं। इससे न केवल शिक्षकों की बल्कि उनके परिवारों और व्यापक समाज की भी भलाई सुनिश्चित की जा सकती है।

3- सम्बन्धित शोध साहित्य

निम्नलिखित शोधार्थियों ने पर्यावरण सम्बन्धी विषय पर शोध कार्य किये हैं। जिसमें कलियाठ (1988), मो0 सलीम (1989), चौ0 एस0एस0 (1990), मादराम (1995), अग्रवाल (1995), समलोक (1995), पारीक एम (1996), भट्टाचार्य एन0 (2006) सरला टी0 (2010), जितेन्द्र (2017) आदि प्रमुख हैं।

4-. समस्या कथन

ऊधम सिंह नगर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत् शिक्षकों के पारिवारिक सम्बन्धों का तुलनात्मक अध्ययन।

5- अध्ययन के उद्देष्य

1. ऊधम सिंह नगर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों के पारिवारिक सम्बन्धों का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. ऊधम सिंह नगर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षकों के पारिवारिक सम्बन्धों का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3.

6- अध्ययन की परिकल्पना

1. ऊधम सिंह नगर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों के पारिवारिक सम्बन्धों में सार्थक अन्तर नहीं है।

2. ऊधम सिंह नगर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षकों के पारिवारिक सम्बन्धों में सार्थक अन्तर नहीं है।

7- आंकड़ा संग्रहण के उपकरण

प्रस्तुत लघु शोध हेतु आंकड़ों के संकलन के लिए ऊधम सिंह नगर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों से व्यक्तिगत सम्पर्क करके प्रश्नावली के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया गया।

8- न्यादर्ष

वर्तमान लघु शोध हेतु 200 शिक्षकों को शामिल किया गया है।

9- उपकरण

पारिवारिक सम्बन्ध मापनी – स्वनिर्मित प्रश्नावली।

10- परिकल्पनाओं का विष्लेषण एवं व्याख्या

परिकल्पना क्रमांक 1 :– ऊधम सिंह नगर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों के पारिवारिक सम्बन्धों में सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका संख्या – 1

ऊधम सिंह नगर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों के पारिवारिक सम्बन्धों का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या

पुरुष शिक्षक	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता स्तर
वित्तपोषित	50	55.37	18.41	0.882	***
स्ववित्तपोषित	50	56.19	18.73		

व्याख्या – तालिका संख्या 1 में ऊधम सिंह नगर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों के पारिवारिक सम्बन्धों को दर्शाया गया है। तालिका में ऊधम सिंह नगर के वित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों के पारिवारिक सम्बन्धों का मध्यमान, मानक विचलन 55.37 एवं 18.41 प्राप्त हुआ है जबकि ऊधम सिंह नगर के स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों के पारिवारिक सम्बन्धों का मध्यमान, मानक विचलन क्रमशः 56.19 एवं 18.73 प्राप्त हुआ है। दोनो समूहों के मध्य क्रान्तिक अनुपात का मान 0.882 प्राप्त हुआ है। प्राप्त क्रान्तिक अनुपात सार्थकता के दोनों स्तर से कम है। कम सार्थकता स्तर दोनों समूहों के मध्य सार्थक अन्तर को स्पष्ट नहीं करता है। इससे सिद्ध होता है कि ऊधम सिंह नगर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों के पारिवारिक सम्बन्धों में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

परिकल्पना क्रमांक 2 :– ऊधम सिंह नगर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षकों के पारिवारिक सम्बन्धों में सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका संख्या – 2

ऊधम सिंह नगर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षकों के पारिवारिक सम्बन्धों का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या

महिला शिक्षक	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता स्तर
वित्तपोषित	50	57.46	20.95	7.00	***
स्ववित्तपोषित	50	50.03	21.47		

व्याख्या – तालिका संख्या 2 में ऊधम सिंह नगर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षकों के पारिवारिक सम्बन्धों को दर्शाया गया है। तालिका में ऊधम सिंह नगर के वित्तपोषित में कार्यरत महिला शिक्षकों के पारिवारिक सम्बन्धों का मध्यमान, मानक विचलन 57.46 एवं 20.95 प्राप्त हुआ है जबकि ऊधम सिंह नगर के स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षकों के पारिवारिक सम्बन्धों का का मध्यमान, मानक विचलन क्रमशः 50.03 एवं 21.47 प्राप्त हुआ है। दोनो समूहों के मध्य क्रान्तिक अनुपात का मान 7.00 प्राप्त हुआ है। प्राप्त क्रान्तिक अनुपात सार्थकता के दोनों स्तर से अधिक है। अधिक सार्थकता स्तर दोनों समूहों के मध्य सार्थक अन्तर को स्पष्ट करता है। इससे सिद्ध होता है कि ऊधम सिंह नगर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षकों के पारिवारिक सम्बन्धों में सार्थक अन्तर पाया जाता है।

11- शोध के निष्कर्ष

1. ऊधम सिंह नगर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों के पारिवारिक सम्बन्धों में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

2. ऊधम सिंह नगर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षकों के पारिवारिक सम्बन्धों में सार्थक अन्तर पाया गया।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. राय पारस नाथ (1999) : अनुसंधान विधियाँ, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल प्रकाशन, आगरा।
2. शर्मा आर0ए0 (1998) : शिक्षा अनुसंधान, सूर्या प्रकाशन, मेरठ।
3. पाण्डे डॉ0 के0 पी0 (2006) : शैक्षिक अनुसंधान विश्व विद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
4. अग्रवाल एम0पी0 (2005) : सांख्यिकी के मूल तत्व, रमेश बुक डिपो, जयपुर
5. ओड़0 एल0 के (2005) : शैक्षिक प्रशासन एवं विद्यालय संगठन विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
6. गुप्ता प्रो0 एस0पी0 (2002) : अनुसंधान संदिर्शिका, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
7. रायजादा बी0एस0 (1997) : शिक्षा में अनुसंधान के आवश्यक तत्व राज, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
8. सुखिया एस0पी0 (1998) शैक्षिक अनुसंधान के मूल तत्व, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा